ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्विद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 14-11-2025

फिरोज़ाबाद(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-11-14 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-11-15	2025-11-16	2025-11-17	2025-11-18	2025-11-19
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	29.0	29.0	29.0	28.0	28.0
न्यूनतम तापमान(से.)	10.0	10.0	10.0	10.0	11.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	61	63	65	66	67
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	34	35	36	37	39
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	7	6	5	2
पवन दिशा (डिग्री)	308	294	300	300	307
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0
चेतावनी	शीत लहर	शीत लहर	शीत लहर	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, आगामी पाँच दिनों में आसमान साफ रहने के कारण वर्षा की कोई संभावना नहीं है। हालाँकि, 15-17 नवम्बर, 2025 के मध्य वायुमंडल की ऊपरी सतह पर हल्का कोहरा छाए रहने तथा शीत लहर चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 28.0-29.0°C के मध्य रहने की संभावना है, जो सामान्य के आसपास रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 10.0-11.0°C के मध्य रहने की संभावना है, जो सामान्य से 2-3°C कम रहने की संभावना है। सापेक्षिक आर्द्रता का अधिकतम एवं न्यूनतम स्तर 61-67% तथा 34-39% के मध्य रहने की संभावना है। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम है तथा गति 2.0-7.0 किमी/घंटा के मध्य रहने की संभावना है, तथा हवा की गति सामान्य से 3-4 किमी/घंटा अधिक रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, पहले तीन दिनों में शीतलहर चलने की चेतावनी है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

किसानों को सूचित किया जाता है कि रबी की फसलों एवं सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है रबी के मौसम में बोई जाने वाली फसले जैसे - गेहूँ, चना, मटर, मसूर, सरसों व अलसी आदि की बुवाई बीजोपचार करने के उपरान्त ही करें।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे रबी की फसलें जैसे-चना, मटर, मसूर, सरसों, अलसी, आलू एवं सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशी, रोगनाशी और

खरपतवारनाशी स्प्रे न करें। यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह से धोना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे आलू की फसल को झुलसा रोग /शीत लहर से बचाव हेतु आवश्कतानुसार हल्की सिचाई करें तथा रबी फसलों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई का कार्य शीघ्र पूरा करें। कटाई के पश्चात लॉक को 2 -3 दिन तक धुप में सूखाने के बाद मड़ाई का कार्य करें। मड़ाई के बाद धुप में 3-4 दिन तक सूखाकर बीज को भण्डारित करें।
गेहूँ	मौसम के दृष्टिगत सिंचित दशा में गेहूँ की बुवाई के लिए तापक्रम अनुकूल है, अतः बुवाई का कार्य करें। गेहूं की बुवाई के लिए खेत की तैयारी करें तथा क्षेत्रीय प्रजाति पी.बी.डब्ल्यू.-723, एच.पी.बी.डब्ल्यू.-01, डी.बी.डब्ल्यू.-39, के.-9107, के.-1006, के.-402 ,के.-607, डी.बी.डब्ल्यू.-90, डब्ल्यू.बी.-02, एन.डब्ल्यू.-5054, एच.डी.- 3043, यू.पी.-2382, एच.यू. डब्ल्यू.-468, पी.बी.डब्ल्यू.-443, एच.डी.- 2967 आदि, ऊसर भूमि के लिए संस्तुति प्रजाति :- के.आर.एल.-210, के.आर.एल.-213, के.-1317 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई का कार्य करें।
रेपसीड	तोरिया की फसल फूल/फली बनने की अवस्था में चल रही है, जो नमी के प्रति संवेदन शील है। अतः हल्की सिचाई कर उचित नमी बनायें रखें।तोरिया की फसल में बालदार सुण्डी कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5 % एस जी 200 ग्राम /हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
सरसों	सरसों की फसल में आरा मक्खी- अंकुरण के 7 से 10 दिन में ये कीट अधिक हानि पहुंचाते हैं। इनकी रोकथाम के लिए सुबह या शाम के समय मिथाइल पैराथियॉन 2 प्रतिशत या मैलाथियान 5 प्रतिशत या कारबैरिल 5 प्रतिशत चूर्ण 25 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें।राई/सरसों की संस्तुति प्रजातियॉ- पूसा सरसों-34, पूसा सरसों-32, सी - 5-64 (सीएस2005-143), पूसा ओओएम-36 (पीडीजेड-15), बीएमपी-II (डीआईएमआर), आजाद महक, सुरेखा (केएमआर-16-02), वरुणा, रोहिणी, नरेंद्र राई- 8501,माया, वैभव आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए 3-4 किलोग्राम बीज/हेक्टयर की दर से बुवाई का कार्य शीघ्र पूरा करें।
फील्ड पी	मटर के फसल की संस्तुति प्रजातियॉ- रचना, मालवीय मटर -15 , सपना आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए 100-१२५ किलोग्राम बीज/हेक्टयर की दर से बुवाई का कार्य शीघ्र पूरा करें।
चना	चना के फसल की संस्तुति प्रजातियॉ- अवरोधी, पूसा-256, पूसा-362, के डब्लू आर-108, के -850, के डी जी -1168 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए छोटे दानो का बीज 75-80 किलोग्राम व बड़े दाने की प्रजाति के लिए 90-100 किलोग्राम बीज/हेक्टयर की दर से बुवाई का कार्य शीघ्र पूरा करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	समय से बोई गई आलू की फसल में निराई-गुडाई करने के पश्चात खेतो में हल्की सिचाई कर उचित नमी पर मिट्टी चढाये। आलू की फसल में कुतरा (कटवर्म) कीट का प्रकोप दिखाई देने की संम्भावना है, अतः इसके नियंत्रण हेतु क्लोरपायरीफास 20 ई0सी0 की 2.0 लीटर/हे0 की दर से 700-800 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
सब्जी पीईए	फूलगोभी, पत्तागोभी, टमाटर एवं मिर्च की तैयार पौध की रोपाई करें। सब्जिओ की फसलों में फल छेदक / पत्ती छेदक कीट का प्रकोप दिखाई दे रहे हो तो इसके नियंत्रण हेतु नीम आयल की १.५ मिली0/ लीटर पानी में घोल बनाकर ३-४ छिड़काव ८-१० दिन के अंतराल पर करे। हरी मटर, गाजर, मूली, लहसुन, धनिया, पालक, सोया एवं मेथी आदि की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं।
आम	आम, अमरुद, आँवला, नीबू आदि के नए बागो में नष्ट हुए पौधो के स्थान पर नए पौधों की रोपाई करे। केले/पपीते के बागो की गुड़ाई-करके तने के चारो तरफ 25-३० सेंटीमीटर ऊंची मिटटी चढ़ा दे । केले/ पपीता के फलदार वृक्षों में लकड़ी या बॉस के स्टैण्ड लगायें। आम में पत्ती कटाने वाले कीट की रोकथाम हेतु २%कार्बारिल 1.5 % धूल का बुरकाव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गर्भवती भैसों /गायों को ढलान वाले स्थान पर न बांधे। गर्भवती भैसों /गायों को पौष्टिक चारा एवं दाना खिलायें तथा नवजात बच्चे को तीन दिन तक खिस अवश्य पिलायें। पशुओं को साफ-सुथरे स्थान पर रखें।खुरपका-मुहॅपका का टीकाकरण कराये, तथा लंगड़िया बुखार की रोकथाम हेतु बी.क्यू. वैक्सीन का टीकाकरण करायें। वाह्य परजिवियों के नियन्त्रण हेतु बुटाक्स 0.2 मिली0/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। बदलते मौसम को देखते हुए पशुओ को रात्रि के समय खुले स्थान पर न बांधे तथा पशुओं के स्वास्थ्य एवं बिमारी की देखभाल करना सुनिश्चित करे। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओ को साफ एवं ताजा पानी दिन में 3-4 बार अवश्य पिलायें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि मुर्गियों के रहने के स्थान पर प्रति दिन सफाई करे। मुर्गियों को स्वच्छ पानी तथा सन्तुलित आहार की व्यवस्था करें। मुर्गियों / चूजों को पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था करें। कृमिनाशक दवा पिलायें। रानीखेत बीमारी से बचाव के लिए टीकाकरण कराये।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, पहले तीन दिनों में शीतलहर चलने की चेतावनी है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

किसानों को सूचित किया जाता है कि रबी की फसलों एवं सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है रबी के मौसम में बोई जाने वाली फसले जैसे - गेहूँ, चना, मटर, मसूर, सरसों व अलसी आदि की बुवाई बीजोपचार करने के उपरान्त ही करें।

Farmers are advised to download Unified ﷿Mausam﷿ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details